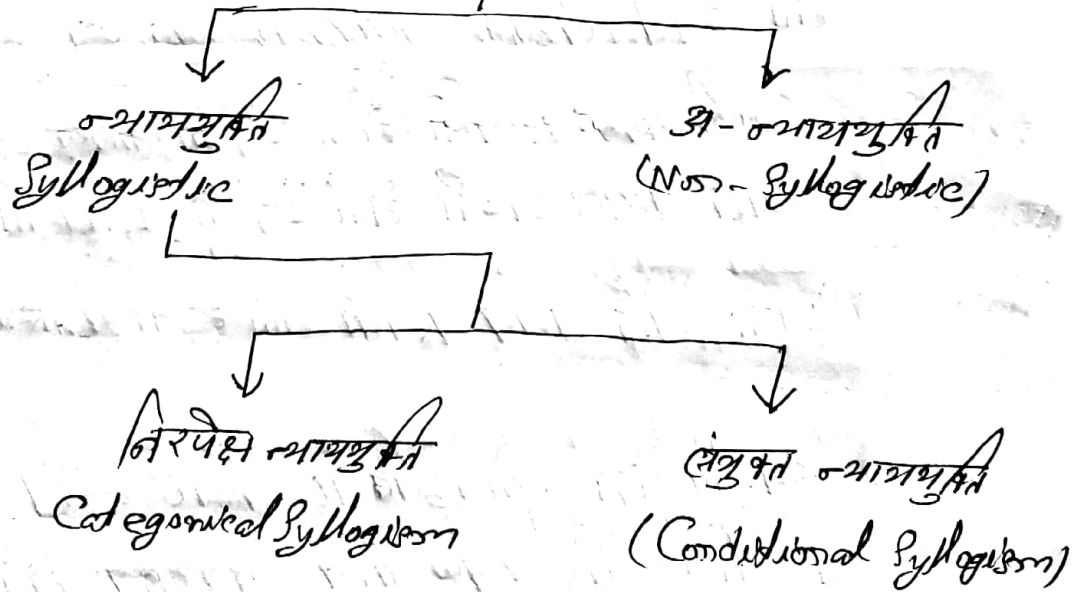


Mediate Inference  
 (मध्यस्थित अनुमान)

मध्यस्थित अनुमान में कम से कम दो आधार वाक्य होते हैं, और ये दोनों आधार वाक्य संयुक्त रूप से निष्कर्ष को निर्गमित करते हैं। यह अनुमान जिसमें केवल दो आधार वाक्य होते हैं उसे न्यायशुक्ति अनुमान (Syllogistic Inference) कहते हैं। यदि आधार वाक्य दो से अधिक हों तो यह मध्यस्थित अनुमान अ-न्यायशुक्ति (Non-Syllogistic) बन जाता है।

(मध्यस्थित अनुमान)  
 Mediate Inference



निरपेक्ष न्यायशुक्ति (Categorical Syllogism) → न्यायशुक्ति एक मध्यस्थित अनुमान है जिसमें दो आधार वाक्य होते हैं जो संयुक्त रूप से निष्कर्ष को निर्गमित करते हैं। दोनों आधार वाक्यों के संयोग से निष्कर्ष निकलता है। अर्थात् यह अनुमान केवल दो आधार-वाक्यों पर आधारित है। न्यायशुक्ति को निरपेक्ष और संयुक्त या मिश्रित में विभाजित किया गया है।

निरपेक्ष न्यायशुक्ति में तीनों तर्क-वाक्य (दो आधार वाक्य और एक निष्कर्ष) निरपेक्ष तर्क वाक्य, A, E, I, O होते हैं।

सभी मनुष्य मरणशील हैं। A

सभी प्रोफेसर मनुष्य हैं। (A)

अतः - सभी प्रोफेसर मरणशील हैं (A)

यह एक निरपेक्ष न्यायशुक्ति का उदाहरण है।

एक संयुक्त न्यायशुक्ति (Conditional Syllogism) में एक अथवा दोनों आधार वाक्य लोपाधिक तर्क-वाक्य (Conditional Proposition) होते हैं। संयुक्त न्यायशुक्ति का एक उदाहरण -

अदि लक्ष्य पर वर्ज्य होती है, तो फलक अच्छा होगा।

अदि फलक अच्छा होता है, तो मुद्रास्फीति में कमी होगी।

अतः अदि लक्ष्य पर वर्ज्य होती है, तो मुद्रास्फीति में कमी होगी।

हम निरपेक्ष न्यायशुक्ति पर विचार करें। एक निरपेक्ष न्यायशुक्ति में तीन और केवल तीन तर्कवाक्य होते हैं - दो आधार वाक्य और एक निष्कर्ष, तथा तीन और केवल तीन पद होते हैं। जैसे निम्न न्यायशुक्ति में -

सभी M P हैं।

सभी S M हैं।

अतः सभी S P हैं।